THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRIES OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT (KUMARI KAMLA KUMARI) : (a) Yes, Sir.

(b) According to the Government of Orissa that is not a fact.

(c) The Government of Orissa have reported that the Additional District Magistrate of Cuttack had only issued a circular to the Tehsildars about the manner of enquiry and disposal of complaints relating to the house building grants.

(d) The State Government have explained that the disbursement of house building grants to the affected families is being done as per instructions issued by the Government and that the complaints in this regard are being attended to expeditiously.

**माही नदी के जल का उपयोग**

4687. **श्री वृद्धि चन्द्र जैन** : क्या **सिंचाई मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान तथा गुजरात सरकारों के बीच माही नदी के जल के उपयोग के संबंध में 1966 में कोई समझौता हुआ था ; और

(ख) यदि हां, तो केन्द्र सरकार इस बात को किस प्रकार सुनिश्चित कर रही है कि उक्त समझौता समुचित रूप से कार्यान्वित हो ?

**सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ज़ियाउरहमान अंसारी)** : (क) जी, हां।

(ख) राजस्थान और गुजरात की राज्य सरकारों के साथ परामर्श से, यह मामला पहले ही भारत सरकार के विचाराधीन है।

**केन्द्रीय अल्पजलिक (एरिड) जोन अनुसंधान संस्थान की उपलब्धियां**

4688. **श्री वृद्धि चन्द्र जैन** : क्या **कृषि मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय अल्पजलिक जोन अनुसंधान संस्थान की अब तक की उपलब्धियां क्या हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि विगत तीन वर्षों के दौरान इस संस्थान की अनुसंधान उपलब्धियों से मरुस्थल क्षेत्रों के बहुत कम किसान लाभान्वित हुए हैं ;

(ग) क्या सरकार आम किसानों को इस संस्थान द्वारा किये गये अनुसंधान का लाभ उपलब्ध कराने की दृष्टि से जोधपुर में एक कृषि अनुसंधान एकक की स्थापना करेगी ; और

(घ) यदि हां, तो यह संस्था वहां पर कब तक स्थापित की जायेगी ?

**कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन)** : (क) पिछले ढाई दशकों के दौरान मरु क्षेत्र अनुसंधान ने मरुभूमि को नियन्त्रित करने और कृषि योग्य बनाने के लिए प्रौद्योगिक का विकास किया है तथा रेगिस्तानी वातावरण में भूमि और पशुधन दोनों की उत्पादकता बढ़ाने में अद्वितीय कार्य किया है।

—कई महत्वपूर्ण विदेशी और देशी घास व वृक्षों की प्रजातियों का पता लगाया गया है जो बालू के टीलों को स्थिर करने के

लिये वृक्षावली और बचाव पट्टी पौधरोपण के लिए उपयोगी हैं।

—बेर पौधरोपण के शीघ्र संवर्धन की एक तकनीक का मानकीकरण किया गया है। एकोसिया सेनेगल (कीकर) देशी वृक्षों से गोंद प्राप्त करने की एक नयी तकनीक का विकास किया गया है। सौर उर्जा प्राप्त करने के कार्य में भी प्रगति जारी है।

—केन्द्रीय मरु क्षेत्र अनुसंधान संस्थान प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रमों को चला रही है तथा कई अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजिया, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, कार्यगोष्ठी, ग्रीष्म संस्थान आदि आयोजित किये गये हैं।

—मरु क्षेत्र अनुसंधान और विकास के अपने संचित अनुभव से आज यह संस्थान देश और विदेश दोनों में ही महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है।

(ख) जी नहीं, श्रीमान। इस संस्थान द्वारा विकिसत प्रमाणित प्रौद्योगिकी को किसानों के लिए कई कार्यक्रमों द्वारा पहुंचाया गया है जैसे (1) परिचालन अनुसंधान प्रायोजनायें, (2) प्रयोगशाला से खेत तक कार्यक्रम और (3) किसान दिवस आयोजित करके।

(1) **परिचालन अनुसंधान प्रायोजनायें :** मरु भूमि प्रबन्ध और "रिसाव तथा छिड़काव सिंचाई प्रणाली" पर दो परिचालन अनुसंधान प्रायोजनाएं हाथ में ली गईं जिन्हें जोधपुर के समीप स्थित पांच गांवों में लागू किया गया है। ये कार्यक्रम पांचवीं पंचवर्षीय योजना से कार्य कर रहे हैं। रिसाव और छिड़काव प्रणाली परियोजना का लक्ष्य बिना उत्पादन को नुकसान पहुंचाये पानी का दक्षतापूर्ण उपयोग करना है। मरु भूमि प्रबन्ध कार्यक्रम के अन्तर्गत बालू के टीलों की रोकथाम, बचाव पट्टी और मार्गों के दोनों ओर वृक्षारोपण, वनरोपण, बागवानी विकास और बारानी भूमि में कम नमी की स्थिति में उत्पादन पर महत्वपूर्ण काम हुआ है।

(2) **प्रयोगशाला से खेत तक कार्यक्रम :** इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण समाज के निम्नतम वर्ग के 200 कृषक परिवारों को केन्द्रीय मरु क्षेत्र अनुसंधान संस्थान द्वारा (प्रथम चरण में) लिया गया। दूसरे चरण में (1982-85) 200 और कृषक परिवारों को मरुभूमि प्रबन्ध में प्रमाणित प्रौद्योगिकी का उनके सामने प्रदर्शन करने हेतु लेने का प्रस्ताव है।

(3) **किसान दिवस :** संस्थान जोधपुर, बीकानेर और पाली के केन्द्रीय अनुसंधान फार्मों पर रबी और खरीफ दोनों मौसमों में किसान दिवस आयोजित करता है। करीब 400-600 किसान प्रत्येक केन्द्र पर आयोजित किसान दिवसों में भाग लेते हैं।

(ग) और (घ) जैसा कि प्रश्न के भाग "ख" में कहा गया है, प्रमाणित प्रौद्योगिकी को चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा पहले ही प्रचारित किया गया है। इसके अतिरिक्त भा. कृ. अ. प. के विचाराधीन यह प्रस्ताव भी है कि केन्द्रीय मरु क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में एक कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना की जाए। इसमें मरुभूमि प्रबन्ध पर कृषकों को नवीनतम प्रौद्योगिकी के बारे में प्रशिक्षण देना भी सम्मिलित है। राज्य की विस्तार ऐजेंसियों द्वारा भी प्रमाणित प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया जा रहा है।

इस प्रकार प्रमाणित प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण केन्द्रीय मरु क्षेत्र अनुसंधान

संस्थान की क्रिया-कलापों का एक अंग है और इसके लिए पृथक से स्वतन्त्र कृषि अनुसंधान एकक/संस्थान स्थापित करने का प्रश्न ही नहीं उठता।

**Protection areas in Delhi from Floods**

4689. SHRI MOHAMMAD ASRAR AHMAD : Will the Minister of IRRIGATION be pleased to state :

(a) whether any steps are being taken in advance to protect different areas in Delhi which are subject to floods from the Yamuna during the monsoon; and

(b) if so, details of the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF IRRIGATION (SHRI Z. R. ANSARI) : (a) Yes, Sir.

(b) Following Flood Control Works affording flood protection to Delhi have been taken up :

(1) Raising and Strengthening of Right Marginal Embankment.

(2) Protection works on left forward bund.

(3) Excavation of two artificial channels in Yamuna to reduce pressure on Left Forward Bund.

(4) Strengthening of spurs and studs on Left Forward Bund and Left Margional Bund.

(5) Raising and Strengthening work of Right Bank of Bawana Escape channel.

(6) Road No. 50.

**Usar and Uncultivated Land**

4690. SHRI MOHAMMAD ASRAR AHMAD : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the acreage of usar and uncultivated land, State-wise and category-wise, as on 1 April, 1977, 1 April, 1980 and 1 April, 1982 ;

(b) the acreage of usar and uncultivated land which was brought under cultivation during the period 1 April, 1977 to 1 April, 1982;

(c) whether Government have formulated any scheme for usar and uncultivated land for cultivation or for forestry ; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE I THE MINISTRIES OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT (SHRI R. V. SWAMINATHAN) : (a) to (d). The information is being collected and will be placed on the Table of the Sabha as soon as possible.

**अपर्याप्त वर्षा के कारण पेयजल के संकट का सामना कर रहे राज्यों का नाम**

4691. श्री नरसिंह मकवाना : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन राज्यों के नाम क्या हैं जहां पर्याप्त वर्षा नहीं हुई है और तत्सम्बन्धी ब्योरा क्या है;

(ख) उन राज्यों के नाम क्या हैं जहां अपर्याप्त वर्षा के कारण पेयजल का संकट तुलनात्मक रूप से अधिक है; और

(ग) कमी वाले क्षेत्रों में पेयजल प्रदान करने के लिए क्या व्यवस्था की गई है और इस सम्बन्ध में दिए गए राज्यवार निदेश क्या हैं ?

कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों में उप मंत्री (कुमारी कमला कुमारी) : (क) भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार